पावसकवित्तरत्नाकर

अर्थात् पावसऋतु वर्णन

जिसमें

श्रीकृष्ण आनन्दकन्द व श्रीजगज्जननी शत्रुदमनी श्रीराधिका महारानीजी के चरित्र पावसऋतु के बिहार में अनेकानेक कवियोंके बनायेहुये कवित्तों में वर्णित हैं ॥

जिसको

श्रीबल्लभ कुलसेवक श्रीकृष्ण चरणानुरागी बंगालीलाल सुत परमानन्द सुहाने ने सर्व रसिकजनों के निमित्त संग्रह किया ॥

प्रथमबार

लखनऊ

मुंशी नवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेखाने में छपा
जूलाई सन १८९२ ई० ॥

2-50

भूमिका ॥

हे प्रियपाठकगणों जरा इस पुस्तककोभी एकबेर अवलोकन कीजिये यहछोटीसी संग्रह आपलोगों के निमित्त केवल पावस ऋतुही से पूरितकीगई है इसमें कालिदास पदमाकर पत्तन शंभु द्विजबलदेव मतिराम सरदार कबिन्द किशोर धासीराम चिन्तामणि ठाकुरतोष तुलाराम दूलहउदैनाथ ऊधौ रघुनाथ रहीम रतिनाथ सेनापति शिवनाथ श्रीपति दिवाकर हरिचन्द इत्यादि अनेकानेक कबीश्वरों के उत्तमोत्तम कवित्त व सवैया बर्णितहैं इसपुस्तकका हक़ तसनीफ़ संग्रहकर्त्ता ने मुन्शीनवलकिशोर (सी, आई, ई) को देदिया है ॥

बंगाली लाल सुत
परमानंद सुहाने ॥

श्रीगणेशायनमः ॥

पावसकवित्तरत्नाकर ॥

अर्थात्पावसऋतुवर्णन ॥

कवित्त ॥ मंगलसदनगजबदनलसतभालबालइन्दुछ
विदेखिमनहरषतहैं । राजतहैंदन्तएकभ्राजतहैंचारिभु
ज छाजतहैंतिलकसिंदूरसुसजतहैं ॥ ऋद्धिसिद्धिसम्प
तिविदाविधानशिवसुतआदिदेवजाहिनिगमभनतहैं ।
कहैअमरेशकरसम्पुट बिनयसुनायकीजैपूरोकाममनमो
रेजोबसत हैं १ पायप्रभुताई कछुकीजियेभलाईइहां
नाहींथिरताईबैनमानियकविनके । यशअपयशरहिजा
तबीचपुहुमीकेमुलुकखजानाबेनीसाथगयेकिनके ॥ औ
रमहिपालनकीगिनतीगिनावैकौन रावणसेह्वैगयेत्रिलो
कीबशजिनके । चोपदारचाकरचमूपतिचवँरदारमन्दिर
मतङ्गयेतमाशेचारदिनके २ श्वेतश्वेतबककेनिशान
फहरानलागे ईंचिईंचिचपलाकृपाणचमकायेरी । घहर
नभुशुण्डीकीअवाजसीकरनलागेबुन्दनकेझरननझीने
झरलायेरी ॥ भनतप्रतापरतिनायकनरेशजूनेधीरगढ़
तोरिवेकोपावसपठायेरी । येरीमेरीबीरअबकैसेकैमैंधीर
धरोंआयेघनश्यामघनश्यामनहिंआयेरी ३ अनलकीलू
कैंफूकेदेतविरहानलकोतनभहरायघहरायघनगरजे ।
कोकिलाकीकूकैंहूकैंहोतहियहरीराम हायहाययेतेयेपपी

हापापीनरजै ॥ हरीभूमिजलभरीदेखिसुधिबुधिहरीहरी परदेशअरीकरीपंचशरजै। बरहीबिदारतहैंबिरहीकेउर नकोदईनिरदईकोऊबरहीनबरजै ४ आढ़आढ़करतअ साढ़आयोमेरीआली डरसेलगतदेखितमकेजमाकते। श्रीपतियेमैनमातेमोरनकेबैनसुनिपरतनचैन बुन्दिआन केझनाकते॥ झिल्लीगणझांझझनकारेनसंभारेनेकदा दुरदपटबीजतरसैतमाकते। भरकीबिरहआगकरकीक ठिनछातीदरकीसजलजलधरकीधमाकते ५ ॥ सवैया ॥ आयोअसाढ़हहाअबहींतेचढ़ीचपलाअतिचापकैतूदैं। ह्वैहैकहासजनीरजनीदिनपापीकलापीमचाईहैदूंदैं॥ श्या मबिनाकलनाहिंपरे अंशुवानरहैभरिआंखनिमूंदैं। ग्री षमभानसीसोहतसानसीं लागतीबानसीबारिकिबूंदैं ६ आवतेगाढ़अषाढ़केबादरमोतनमैंअतिआगलगावते। गावतेचायचढ़ेपपिहाजनिमोसोंअनंगसोंबैरबँधावते॥ धावतेबारिभरेबदराकविश्रीपतिजूहियराडरपावते। पा वतेमोहिंनजीवतेप्रीतमजोनहिंपावसमेंघरआवते ७ ॥ कवित्त ॥ आलीऋतुग्रीषमबितायेदेनपीवबिनकठिनकठि नकरबचीहौंमरीमरी। अबतोइलाजकोरह्योनकछूकाज लखिउठीपैघटानबिथाउभड़ीखरीखरी॥ अजहूँनआयेह रीझरीजलभरीभूमिचहूँओरदेखोबनहोरहीहरीहरी। छू टनलगेरीधीरधुरवानिहारी प्राणलूटनलगेरीबोलमुरवा घरीघरी ८ आयोऋतुराजआजदेखतबनैरीआली मद छायोमहामोदसोंप्रमोदबनभूमिभूमि। नाचतमयूरमद उन्मदमयूरनिकोमधुरमतोजसुखचाखेमुखचूमिचूमि॥ पण्डितप्रवीणमधुलम्पटमधुपपुञ्जकुञ्जनमें मञ्जरीकोले

तरसघूमिघूमि। हेलीपौनप्रेरितनबेलीसीद्रुमनबेलिफैली
फूलडोलनिमेंभूलिरहीभूमिभूमि ९ आईऋतुपावसन
आयेप्राणप्यारेयातेमेघनबरजआलीगरजनलावैना।
दादुरहटकिबकिबकिकैनफोरैकान पिकनफटकिमोहिंश
बदसुनावैना॥ बिरहबिथातेहौंतौब्याकुलभईहौंदेवजुग
नूचमकिचितचिनगीउठावैना। चातकनगावैमोरशोरना
मचावैंघनघुमड़िनछावैजौलौंलालघरआवैंना १०।सवैया।
आयहौंद्वारमेंशम्भुललाघरबाहरहीबरषाकोबितायहौं।
तायहौंतापनतेअँगअंगअनंगकीरारसोंकेसेबचायहौं॥
चायहौंजौंतौंकहावहुकोफिरमोतनकीकुशलातनपायहौं।
पायहौंयामेंकहायशकौनकी सावनमेंमनभावनआयहौं
११॥कवित्त॥अम्बरटटानफेनफूटतफटानजैसेचढ़ेनटवान
छबिछाजतछटानकी। चातकरटाननदीनदउपटानजग
जंगलवहानमुरवादज्योंवटानकी॥ ओढ़दुपटानबुंदचु
वतलटानपुषीतनलपटानमनोमदनकटानकी। पीयके
तटानपरेकुसुमपटानठाढ़ी ऊपरअटानलेत लहरेघटान
की १२॥सवैया॥ आजुगईहुतीकुञ्जनलौंबरपैंअतिबूंदघने
घनघोरत। देवकहूँहरिभीजतदेखिअचानकआयगये
चितचोरत॥ पोटमधूतटवोदकुटीकेपटीसोंलपेटकटीपट
छोरत। चौगुनोरंगचढ़ेचितमेंचुनरीकेचुचातललाकेनि
चोरत१३॥कवित्त॥ आईऋतुपावसअषाढ़धराधरबाढ़ि
ललितकदंबनलतानललिताईहै। कहतकिशोरजोरद
हनदरपजैसीतैसियेतड़पतड़िताकीअतिछाईहै॥ छोड़ै
कौनमानरतिसोविगाड़ैकौनआली उनईघटाकीक्षितिछ
विअतिछाईहै। मेघनकीभुकनभकोरनप्रभञ्जनकीभि

धौरेधूमरे २४ उमड़घुमड़घनघोरचहुंओरशोरसुनि खगधुनिसुधरहतनगेहकी । हरीजलभरीभूमिझूमिर हीद्रूमघूमलतालपटानीतापैझलकनमेहकी ॥ ऐसेमेंप यानठानकौनसोसयाननाथजानतजहानबनीसैनाहैबिदे हकी । दमकनिदामिनीकीचमकनिकामिनीकीझलक निबूंदनकीजमकसनेहकी २५ उमड़िउमाड़िघनघुमाड़ि घुमड़िआयेचञ्चलाउठततामेंतरजितरजिके । बरहीपपी हाभेकपिकखगटेरतहैं धुनिसुनिप्राणउठे लरजिलरजि के ॥ कहैकबिरामदेखिचमकखद्योतनकीप्रीतमकोरहीमें तौबरजिबरजिके । लागेतनतावनबिनारीमनभावनके सावनदुवनआयोगरजिगरजिके २६ ॥ सवैया ॥ उमड़ेनभम एडलमण्डितमेघअखण्डितधारनतेमचिहैं । चमकैंगी चहूंदिशितेचपलाअबलाकहुकौनकलाबचिहैं ॥ अकुला इमरैंगीबलायमबारकआजउपायइहैरचिहैं । पहिलेअच वैगीहलाहलकोतबकेकीकुलाहलकैनचिहैं २७ ॥ कवित्त ॥ उमड़तझुमड़तघूमघनआयेघेरे कोरैदेतनिनदनगारन कीघूमको । कहतिकिशोरचारोंओरनतेजोरावरीओरेदे तजरबिजुरिनवारीधूमको ॥ झाझकरझंझातैसीझुक झकझोरेदेतझलरेतमालनकीझांपझापझूमको । जल जकोजोरेदेतजलदकोफोरेदेत जलनकोटोरैदेतबोरेदेत भूमको २८ उनयेतेदिनलायेदेखोअजहूंनआयेउनयेतेमे हभारीकागरपहारसे । कामकेबशीकरनडारेअंबसीकरन तातेयेसमीरजेवैशीतलतुसारसे ॥ सेनापतिश्यामजूकोबि रहछहररह्योफूलप्रतिफूलतनजारतप्रजारसे । मोरहरष नलागेघनबरषनलागेबिनबरषनलागेबरषहजारसे २९

उमड़िघुमड़िघनकोपिआयेकामदल गरजतगगननगारनकीधमकैं। कारेपीरेरातेधौरेधूमरेबादरैपै बरषतसरहोतबूंदनकीझमकैं॥ उठेबगपांतिपांतिउड़तपताकेध्वजदामिनिकीदमकनिखुलेखर्गचमकैं। नाथयेअषाढ़गाढ़राढ़सीमचाईदेखो नंदकेकुमारछिनसकैकौनकमकैं ३० उकंड़िउकड़िकढ़िकढ़िबढ़िबढ़िवरधाराधरधारेरूप अतनअंसानको। आनअनबेलिननबेलिनकीकहाबीर बेलिननहुँहौसहोततरलपटानको,॥ कहतकिशोरजोरमंजुघोरघहरनलहरनउठैपुञ्जदिपनछपानको। खेवईविलोकितोहिअटलअभङ्गपरे कैसोईकपटआजपटलघटानको ३१ उमड़िघुमड़िघनबरषनलागेचहूँदशहुँदिशामेंलागीदमकनदामिनी।पौनकोझकोरअंगअंगकोमरोरदेतसावनकीकारीअतिभारीलगैयामिनी॥रामपरतापऐसीसमैजाकेप्यारोढिग वाकोअतिआनँदवोधन्यधन्यभामिनी। मेरेप्राणप्यारेतोविदेशमेंबसतहायपरीसूनीसेजतलफतिह्यांमेंकामिनी ३२ उमड़िघुमड़िघनछांड़तअखंडधारअतिहीप्रचण्डपौनभूकनबहतुहै। द्विजदेवसंथाकोलाहलचहूँघानभशैलतेजलाहलकोयोगउमहतुहै॥ बुधिबलयाकोसोईप्रबलनिशाकोमेघदेखव्रजसूनोवैआपनोगहतुहै। येहोगिरधारीराखोशरणतिहारीअबफेरियहिवारीव्रजबूड़नचहतुहै ३३ ॥सवैया॥ ऋतुपावसआइगोभागनतेसंगलालकेकुञ्जनमेंविहरौ। नहिंपायहौओसरऔरयुवत्वकहाअबलाजलजाइमरौ॥ गुरुलोगऔचौचंदहाइनसोंबिरथैकेहिकारणबीरडरौ। चलिचाखैसुधाअभिलाषैकरौयहिपाखैपतिव्रतताखैधरौ ३४ ॥कवित्त॥ ऐहैंकबहुँधो

हरिकहोतुमसूधोऊधो ब्रजकीबधूटीजूटीबूझतिहैंबेरिबे
रि। देहकोपरसम्रदुसरससनेहवहहोयगोदरशघनश्याम
कोकिनाहिंफेरि॥ आयोयहसावननआयेमनभावनक्यों
लगोहैडरावनमनोजजनुफौजघेरि। दूमैंद्रुमडारछोरभू
मैंपिकवरजोरघूमेंघनघोरमोरजूमैंचहुँओरटेरि ३५ ऐ
सीझरीबूंदन में दूँदनउठायोकाममूंदैमुखप्यारीबेनीगूंदै
नावहरिकै। कहैकबिशिवनाथझिल्लीगणगाजंतहैसाव
नमेंबहैरसलहरीछहरिकै॥ ऊनरीसुकंजद्युतिदूनरीदृगन
बाढ़ीहूनरीकहतिखौरदेनरीगहरिकै। ऊनरीघटामेंगोरीतू
नरीअटापैबैठखूनरीकरैगीलालचूनरीपहरिकै३६ कंतबि
नभावतिसदननासजनिमोपै विरहप्रबलमैनमंतकोप्यो
बाढ़के। श्रीपतिकलोलैबोलैकोकिलअमोलैखोलैगौन
गांठतोपैगौनराखेआढ़आढ़के॥ हहरिहहरिहियकहरि
कहरिकरिथहरिथहरिदिनबीतेजियमाढ़के। लहरिलह
रिबीजफहरिफहरिआवै घहरिघहरिउठे बादरअषाढ़के
३७कारेजलधरचहुँघातेभुकरतआवेंदामिनीसोहावैसो
जनावैदुखगाढ़के। झींगुरपपीहाभेकशुकपिकमोरबोलै
डोलतसमीरसोकरतिआढ़आढ़के॥ कहैकबिरामपीरी
अकुंरमहीतेकढ़ीबढ़ीपीरबनिताकेदेखेजलबाढ़के। का
मकेउमाहकबिरहीजनदाहकयेआयेप्राणगाहकबलाहक
असाढ़के ३८ कैधौंमोरशोरतजिगयेरीअनतभाजिकै
धौंउतदादुरनबोलतहैएदई। कैधौंपिकचातिकमहीपका
हूमारिडार्योकैधौंबकपांतिउतगतिह्वैगई॥ आलमकहै
होआलीअजहूँनआयेमेरेकैधौंउतरीतिविपरीतिविधिने
ठई। मदनमहीपकीदुहाईफिरिबेतेरहीजूझगयेमेघकै

धौंबिजुरीसतीभई ३९॥ सवैया ॥ कूकिहैंकेकीगिरीनके ऊपरभूपरकामकमानलैभूकिहै । भूकिहैचंदबधूंनसेबूं दनफूकिहैमंदसमीरनचूकिहै ॥ चूकिहैप्राणबिनाघनश्या मकेश्यामघटातनदेखतहूकिहै । हूकिहैंदैकैहियोकरिटूक अँध्यारीनिशामेंपियाकहिकूकिहै ४० ॥ कवित्त ॥ कारेका रेबादरसोंबरषतआदरसों दादुरपपीहापिकउरनसमात के। ठौरठौरसरससरोवरअथाहभयेगुंजरैमधुपपुंजमाते जलजातके ॥ हरीहरीदूबछोटीतापरबिराजैंबूंदउपमाब नीहै मिश्रनिरखसिहातके। सावनसनेहीमनभावनरिझा वनकोमोतिनगुथायेहैंदुलीचासकललातके ४१ कूकन मयूरनकीधुरवाकेधूकनकी भूकनसमीरनकीघसनप्रसून की। दमकनिदामिनिकीभामिनिकीरमकनिझमकनिनेह कीकरोररतिऊनकी ॥ नाथकीसौंमाननकीझोकैंबढ़िजा ननकीभूकिहाँसिगाननकीताननकेदूनकी। उड़नदुकूल नकीछबिभुजमूलनकी काममनहूलनकीभूलनदुहूनकी ४२॥ सवैया ॥ कारीनईउनईघनकीघटाबिज्जुछटाकरैआ नँदजीको । शोरभोओरचहूँपरसादमनोहरमोरनकीअ वलीको ॥ चारुसुहायेपतानकोलोगेलतानमेंसोहैहरोरँ गनीको। हैयहिभांतिसुहावनरीपैबिनामनभावनसावन फीको ४३ ॥ कवित्त ॥ कुहुकतमोरवनपवनझकोरघन कालिदासगाढ़ैयेअसाढ़गुणपेखिये। शीतलकदंबछांह गोरीगरेधरेबाहँइद्रकोनगरबनबगरबिशेखिये ॥ वारोअ वशेषपुरीरसिकनरेशकान्ह ऐसोदेशदूसरोनसुखअवरे खिये । नीकेनयेछप्परअटानखटछप्परघटानकेघमंडब्र जमण्डलमेंदेखिये ४४ कारेकारेघनयेदतारेसेबदतआं

वैबोलतनकीबकेकीकोकिलाप्रमानकी । दामिनिकीदम
कचमंककिरबाणनकीबाणनकीबरषाबिरहबुंदठानकी ॥
घासीरामबाजतनगारेभारेभारेमेघइन्द्रचापकीन्होंकीधौं
चढ़नकमानकी । दावनपकरिप्यारीपूछेंमनभावनसोंसा
वनसमूहकेधौंत्र्यावनत्र्यमानकी ४५ कैसीकरौंहेरियहघे
रिदिशिविदिशानिफेरनभमण्डलघमण्डघनछायोरी ।
पीड़ितपियासपरमातुरपपीहापापीपीउपीउकहित्तनत्र्यत
नजगायोरी ॥ कहतिकिशोरतैसीपवनझकोरनत्योंमोर
नत्योंमधुरमलारसुरगायोरी । बड़ेबड़ेबुंदनबिलंदवारि
धरबीरत्र्यबहींबरसिगयोफेरिझपित्र्यायोरी ४६॥ सवैया ॥
कैसीमनोहरमंजुसमीरनजानियेबैरबहैंजोकहांते । जैसी
किशोरलतालचैतैसीनचैमुरवानकीज्योतिजमाते॥ लूट
तीकैसेनऐसेसमैसुखछूटतीबिज्जुछटाचहुँघाते । त्र्याज
लगीयमुनातेलगीनभलौनभश्यामघटानकीपाते ४७॥
कवित्त ॥ कीधौंवहदेशघनघुमड़िनबरसतकीधौंमकरन्द
नदीनदपंथभरिगे । कीधौंपिकचातकचतुरचक्रवाकबा
ककीधौंमत्तदादुरमधुरमोरमरिगे ॥ मेरेमनत्र्यावतनत्र्या
लीबारेत्र्यावतज्योंकामकुरनिकरमहीतेधौंनिकरिगे । की
धौंपंचशरहरफेरिकैभसमकीन्हों कीधौंपंचसरयूकेपांचों
सरसरिगे ४८ कारीकूरकोयलकहांकोबैरकढ़तरीकूकिकू
किअबहींकरेजोकिनकोरिलै।पैंड़ेपरेपापीएकलापीनिशि
द्योसज्योंहीपातकीयेचातकीत्योंतूहीकानफोरिलै ॥ जीव
नत्र्यधारघनत्र्यानँदसुजानबिनाजानकेत्र्यकेलीसबैघेरोद
लजोरिलै । जौलौंकरेत्र्यावनविनोदबरसावनवेतौंलौंरेड
रारेबज्रमारेघनघोरिलै ४९॥ सवैया ॥ कोकिलकीसुनिकै

कलकूकनकेकीकुटेकीकुटेकनेटेरे। बीरबधूविरचीझीफिरैं बिरहानलकेमनोबीजबिषेरे ॥ वानकहैसखीभूमिहरील खिहोईहरीनहरीफिरेहेरे। धावतधूमसेबादरदेखिलगेज लमोचनलोचनमेरे ५० ॥ कवित्त ॥ केकीजबकूकेतबसू कैंप्राणकाशीरामहरीहरीभूकैहेरेशोचसरसतिहैं। भाकरी भयोहैभौनभरैदुखकौनदीजैळतिलौ नऐसेपौनगौनपरस तुहै॥ घिपतिनरेशतुमछायेपरदेशअतिविपतिहमारीह्यां बिधातादरशतुहै। बेगिसुधिलेहुनातोछूटीजातिदेहअ बकोप्योहैअदेहअरुमेहबरसतुहै ५१ कढ़ीदिशिदक्षिण तेघोरघनघटाचढ़ीबढ़ीबिरहीकोदुखदेनकोनकमहै। ठा कुरभरोखेहैतनकताकीतीयकहो तूरीताकआलीयाउतं गरंगतमहै ॥ कहोनाहिंमेघत्योंनमानैकहजानैतूनगरज तआवैयासुजानेजोगहमहै। हैनविज्जुहोतकरवारोदण्ड चमचमजीवआनेआवतजमातजोरयमहै ५२ कष्टकि तहोतगातविपिनसमाजदेखे हरीहरीभूमिहेरिहियोलर जंतुहै। निपटचवाईभाईबन्धुजेबसतगांउदांउपरेजानि कैनकोऊबरजतुहै ॥ एतेपैकरणध्वनिपरतमयूरनकीचा तकपुकारितेहतापसरसतुहै। अरजोनमानीतूनगरजो चलतिबेरएरेघनबैरीअबकाहेगरजतुहै ५३ कारीघटाका मरूपकामकोदमामोबाज्यो गाज्योकबिग्वालदेखिदामि निदफेरसी। लपकिझपकिआयोदादुरसुनायोस्वरहमैहूँ बिरहसखिमदनकीरेरसी ॥ बालमबिदेशबसेचातककेबो लकसेज्योंज्योंतनुदहैत्योंत्योंऔरैहरिबेरसी। बूँदनकोद्ध न्दसुनिआंखैंमूंदिमूंदिलेत आयोसखिसावनसंभारेशम· शेरसी ५४ कूकिउठीकोकिलानगूंजिउठीभौंरभीरडोलि

उठेसौरभसमीरसरसावने । फूलिउठीलतिकाहूलौंगन
किलोनीलोनीभूलिउठीडालियांकदम्बसुखपावने ॥ च
हकिचकोरउठे कीरकरिशोरउठेटेरिउठीसारिकाविनोदउ
पजावने।चटकिगुलाबउठेलटकिसरोजपुंजखटकिमराल
ऋतुराजसुनिआवने ५५ कूकैलगींकोइलैकदम्बनपैबैठि
फेरिधोयेधोयेपातहिलिहिलिसरसैलगे। बोलैलगेदादुर
मयूरलगेनाचनफेरिदेखिकेसँयोगीजनहियहरसैलगे॥ह
रिभईभूमिशीरीपवनचलनलागीलखिहरिचन्दफेरप्राण
तरसैलगे । फेरिभूमिभूमिबरषाकीऋतुआईफेरिबादर
निगोरेभुकिभुकिबरसैंलगे ५६ कूकैलगींकोकिलैंकद
म्बनपैरातोदिनमोरपिकशोरहूसुनातचहुँपासहै। मन्दम
न्दगर्जतघनेरीघटाघूमिघूमि बहतसमीरधीरसंयुतसुबा
सहै ॥ जिततितनारीनरगावैंसुखपावैंअतिभूलताहिंडोरे
लालबाढ़तहुलासहै । हियेभरसावनकोक्रामसरसावन
कोबुन्दबरसावनकोसावनसुमासहै ५७ कैधौंवहिदेशज
हांप्रीतमपियारेबसैंघोरेघटानहिंघूमिघूमिघहरावैंहै। कै
धौंचमकतनाहिंचपलाचहूँघातहांकैधौंनासुरेशकबोंबुन्द
भरलावैंहै॥ कैधौंकामकुटिलनब्यापतकरेजेकैधौंकोऊना
हिंमेघओमलारराग गावैंहै । कैधौंलालपावसकीरातमें
पपीहापापीबारबारपीपीकरकूकनासुनावैंहै ५८ कौनप
रीचूकमोसोंएरीमेरीबीरजासों कीनीमनमोहननेऐसीहा
यघातियां।छायेपरदेशपायोंकछुनासँदेशयेहीजियमेंअँदे
शकबहूँभेजतनापातियां॥ कामकीसताईदिनरोयकेबिता
ओंलालकैसेकलपाओंपीरहोतअतिछतियां । तापैकल
पावनकोबिरहबढ़ावनकोआईदुखदाईफेरिसावनकीरति

यां ५९ ॥ सवैया ॥ करकागदलैकेंबियोगिनिनारिलिखैइ
मिप्रीतमकोपतियां। यहिपावसमेंपरदेशछयेबलिहारीतु
म्हारीशिलाछतियां ॥ सखियांपियसंगहिंडोरेचढ़ींकहैं
गीतमेंगाभीभरीबतियां। अतिकारीडरावरीसांपिनिसी
मोहिंशालतिसावनकीरतियां ६० ॥ कवित्त ॥ कीधौंउ
नबनघंनघेरिनघुमड़आवेकीधौंकीचभूतलमेंप्रकटीनहीं
नई। कीधौंदबिदादुररहेडराइब्यालकेंकीधौंपापीपापींहें
पियाकीटेरनादई ॥ घासीरामकीधौंबकबाजनकीत्रासमा
न्योंकीधौंवहिदेशबीरपावसनहींठई। कीधौंकामश्यामजू
केतनुतेंनिकसिगयोकीधौंमेघजूभ्केकीधौं बिजुरीसतीभई
६१ कीधौंमोरशोरतजिगयोरीअनेकभांतिकीधौंउतदा
दुरनबोलतनयेदई। कीधौंपिकचातकचकोरकाहूमारिडा
रयोकीधौंबकपांतिकहूँअन्तर्हितह्वैगई ॥ बालनकहतघर
आयेनहिंलालनजोजेतीविपरीतिरीतिमानहुँउतैठई।मद
नमहीपकीदुहाईमिटिदेशतेधौंकीधौंमेघजूभ्केकीधौंदामि
नीसतीभई६२ कीधौंवाबिदेशघनघुमड़िनछावैचहूँकैधौं
वाबिदेशकहूँदामिनिनदरसै। कैधौंवाबिदेशमोरशोरनम
चावैजोरकैधौंवाबिदेशबेगबोलिकैंनहरसै ॥ कैधौंवाविदे
शमेंनझींगुरझनकझुण्ड कैधौंवाविदेशमेंनजुगुनूज्योति
सरसै। कैधौंवाबिदेशमेंनरामचरितरसैंजोकैधौंवाबिदेश
घटाघेरिकैंनबरसै ६३ कैधौंवहिदेशमेंघुमड़िघनघेरैंना
हिंकैधौंवहिदेशदामिनीहूनहिंदमकै। कैधौंवहिदेशमेंन
बरसतबारिदरामपरतापकैधौंझिल्लीहूनाझमकै ॥ कैधौं
वहि देशमेंनबहतिबयारिकहूँमन्दमन्दशीतलसुगंधभरी
रमकै। कैधौंवहिदेशमेंपपिहराहूंपीउपीउटेरदैदैपीवको

चेतावेनउधमकें ६४ ॥ सवैया ॥ कीवहिदेशबसैंजहँप्रीतम घेरिघटानकबूंघहरेंहें। कीवहिदेशनदामिनिदीपतिबूंदन मेहनहींछहरेंहें ॥ कीवहिदेशनरामप्रतापजूपौनझकोर चहूँलहरेंहें। कीवहिदेशमेंपापीपपीहापियानकेंहेंजोपिया बहरेंहें ६५ ॥ कवित्त ॥ कैधौंवहदेशशेषदादुरचबाइडारो कैधोंशैलशिखरसिखीनबैठबोलैना । भनतदिवाकरकी इन्द्रनकेनदेशवहधारामेंनधारजलगानवहटोलेना॥भरी लोगनमूकभईशबदसुनावैनाहिं विपिनबिहंगसंगकरत कलोलेना। ऐसेसमयद्वन्द्वमोहिंवुन्दनउठायहायपावस निरानोश्यामआवतअबोलेना ६६ कारोनभकारीनिशि कारियैडरारीघटाभूकनवहतपौनआनँदकोकन्दरी। द्वि जदेवसांवरीसलोनीसजीश्यामजूपै कीनेअभिसारलखि पावसअनन्दरी॥ नागरीगुणागरीसुकैंसेडरैंरैनिउरजाके संगसोहैंयेसहायकअमन्दरी। बाहनमनोरथउमाहैंसंग वारीसखीमैंनमदसुभटमशालमुखचन्दरी ६७ केकिन केनाचगानकुहूँकूककोकिलकीरटनिपपीहराकीनामधुनि ठानी हें। बूंदनकेपातअलिलोचनश्रवतजातजाततृण जातपुलकावलिनिशानीहें॥ मालहैंविशालबकपांतिन कीदीनद्यालबारिबाहनयेबन्दबन्दनाबखानीहें। झला झलझलचपलाकीद्युतिध्यानभई पावसनहोयभक्तिक लाप्रकटानीहें ६८ कलनपरहियेकन्हैयाकीसुगैयालखे चलंनसमैयामेंललनकह्योआवनो। औधिआसश्वास रहीप्यासअधरामृतकोआयोयहसावनोनआयो मनभा वनो॥ पीरेवादुकूलकीसुरतिआयेशूलउठैकूलकालिन्द्री कोहूललागतडरावनो॥पावसरसमदेखिदहतअसमबाण

ऊधोक्योंखसमकह्योभसमचढ़ावनो ६९ कारीअँधियारीरैनिबिजुलीचमकैऐन दादुरकेबैनमेघबरसतफुहूँफुहूँ। पौनकीझकोरझोरझिल्लिनकेशोरघोरचातकचकोरमोरकुहुकतकुहूँकुहूँ॥ ताहीसमैसुधिकरिछातीसेलगायोप्यारेआंशूचलैलागेप्यारेनैननसेलुहूँलुहूँ। भसकिमसकिप्यारोज्योंज्योंलपिटातजात त्योंत्योंमुखमोरिमोरिकरतउहूँउहूँ ७०॥ सवैया॥ खरकामेंखरेबरषाऋतुमेंउनयेघनजोअतिसंकटके। भजिऔरमवारकदौरदुरेअरिराधेगुपालरहेहटके॥ तरजाकितरोवनजोरिकैगोवनघेरिबछौवनतेठनके। परमेहमेंभीजैंसनेहभरेदोउपामरीकामरीमैसटके ७१॥ कवित्त॥ गरजनगारेभारेबूंदहरकारेआगेध्वजाधारेधुरवागजतीनाबदनके। पवनतुरंगचढ़ेधायेभटरंगरंगघेरिआयेचारोंओरसूनेहीसदनके॥ केकीकूककातीकलकोकिलासेघातीयार छातीहहरातीदेखेचपलारदनके। कादरबिरहसुधिलीजैश्यामसादरजूआयेबीरबादरबहादुरमदनके ७२॥ सवैया॥ गरजेघनघोरघटाघुमड़ीजबतेबिरहाजुभयोसरजी। सरजीवभयोमृदुदादुरचन्दलियेरतिनागरकीमरजी॥ मरजीजोउठीपिककीध्वनिलैचपलाचमकैनरहैबरजी। बरजीबरजीजियकोसजनीभयोचातकमोजियकीगरजी ७३॥ कवित्त॥ गायहौंमलारैभुजनाइहौंहियेमेंछकि छाइहौंछिगुनकुंजकअहीकेकोरेमें। कहैंपदमाकरपियायहौंपियालामुखमुखसोंमिलाइहौंसुगंधकेझकोरेमें॥ नेहसरसाइहौंसिखाइहौंजोसावनमेंपाइहौंपरीसोसुखमैनकेमरोरेमें। उरउरझाइहौंहियेसोंहीयलाइहौंझुलाइहौंकबैधौंप्राणप्यारीकेहिंडोरेमें७४

ग्रीषमतेतचिबचिपावसमरूकेंपाईतामें फूकेजगनूझकूबूके
लागेंपौनकी हूकेंउठेंहियमेंकनूकेलखेंबूंदनकीझिल्लिहूंन
मूकेंयहबिसासाबैरीभौनकी ॥ चपलाचहूंकेत्योंत्योंतनमें
भभूकेउठेऊकेमारेमुखाकहोंमेंकौनकौनकी । दादुरकीहू
केंधामकरतअचूकेंउर कोकिलकीकूकेतापे बूकेंदेतीनोन
की ७५ गरजैंचहूंघाघनघोरमोरशोरकरैंलरजेंलतानवृ
न्दशोभासरसाईहै । दामिनीदमाकेंजुरिजुगुनूचमाकेंक
हूंकेलियादमाकेंभरीकूकेंसुखदाईहै ॥ मनअनुरागैप्रीति
रीतिउरजागेलखिइन्दुभटूरागेबनबागेछहराईहै । अर
जबिहारीपैहमारी भुवनेशयेतीमिलनयोगुभेशपावसऋ
तुआईहै७६गयेकहिआवननआयेयहसावनमेंऊधोमन
भावनभुलायरहेहैंतहीं । ह्वैरहींबिहालबालब्रजकीगोपा
लबिनारैनिदिनानैनतेअपारधारह्वैबहीं ॥ बैठिजनपुञ्ज
ठामयमुनानिकुञ्जधामछांड़िश्यामपाहिहयां सुहातनाहिं
हैकहीं । गरजैंहैघनघोरलरझैहैबनमोरनन्दकेकिशोरसु
निअरजेंअजौंनहीं ७७ गुञ्जरनलागीभौंरभीरैंकेलिकुञ्ज
नमेंकेलियाकेमुखतेकुहूकनिकढ़ैलगी । द्विजदेवतैसेक
छुगहबगुलाबनतेंचहकिचहूंघाचटकाहटबढ़ैलगी ॥ ला
गोसरसावनमनोजनिजओजरतिबिरहीसतावनकीबाति
यांगढ़ैलगी । होनलागीप्रीतिरीतिबहुरिनईसीनवनेहउ
नईसीमतिमोहसोंबढ़ैलगी ७८ घनकोघमंकऔवनकव
कपांतिनकीबीजुरीचमककरबालसींदिखातरी । ललिता
लतानलखियतुहैनदानऔर कहैपरमेशत्योंवहतबेसबा
तरी ॥ मोरनकोशोरचहूंओरहोतठौरठौरदादुरकीदूंदि
घोरकरैतनुघातरी। सुखसरसावतलगेरीलोगगावनको

बिनामनभावननसावनसोहातरी ७९ घुमड़िघुमड़िआ
येबादरउमड़िधायेसांवरेबिदेशछायेऔसरकरारेमें। दा
दुरपपीहामोरशोरचहूँ ओरकरैंमारतमरोरिउठिकामज्वा
रजारेमें॥ धूमजलधारैंकरैंउमंगिसलिलसरैंगाजकीग
जौमरैंबैसमतवारेमें। भूकैंभुकिजातीचढ़ीभूलिभूलि
गातीदेखिफाटैबीरछातीहाकुठौरभयेभारेमें ८०॥सवैया॥
घेरीघटाघहरायरहीदरकावतुहैबिनप्रीतमछाती। कामि
नियांहियरातरसावतदामिनियांचहुँतेदरशाती॥ राम
प्रतापभकोरतपौनभई दुखदाइनसावनराती। तापै
बियोगबढ़ावनहैवहपीकहांबोलिपपीहराघाती ८१॥
कवित्त॥ घहरिघहरिघनघोरिचहुँओरछायेछहरिछहरिछ
बिशोभासरसारैंरी। पवनभकोरजोरदादुरमयूरशोरचो
पभरेचारोंओरझिल्लीभनकारैंरी॥ येरीमेरीबीरबैनधा
रतनधीरअबपातकीपपीहापीउपीउकैपुकारैंरी। यन्त्रको
नधारैअरुमन्त्रकोउचारै जातेतजिकैप्रवासमनमोहनप
धारैंरी ८२॥ सवैया॥ घहरारीघनेघनघोरघटाकरिशोर
उठैबहुमोरअटा। घनश्यामैंमिलेतियताहीसमैचलीदा
मिनीसीफहरैदुपटा॥ वाकेनैनघनेघनेघालैंकटाक्षभने
भुवनेशसुकौनछटा। जनुविश्वफतैकरिबेकोहितैफरकावै
मनोभवभूपपटा ८३॥ कवित्त॥ घहरिघहरिघनसघनच
हूंघाघेरिछहरिछहरिविषबुन्दबरसावैना। द्विजदेवकीसों
अबचूकमतिदाविअरे पातकीपपीहातूपियाकीधुनिगावै
ना॥ फेरिऐसोऔसरनआइहैतेरेहाथमेरेमटकिमटकि
मोरशोरतूमचावैना। हौंतोविनप्राणदेहचाहततजोईअ
बकतहिमरिसिमतअकाशबीचधावैना ८४॥ सवैया॥

घूमिघनेघुमरेंघनघोरचहूंचढ़िनाचतमोरअटारी । त्यों द्विजदेवनईउनईदरशातिकदम्बनिकीछविन्यारी ॥ चूनरिसीक्षितिमानोबिछीइमिसोहतिइन्द्रबधूकीपत्यारी । काहिनभावतिऐसीसमयठकुराइनियांहरियारीतिहारी ८५ ।

कवित्त ॥ घूमिकेचहूंघाधायआवेजलधरधारताड़ितपताकेवाकेनभमेंपसरिगे । द्विजदेवकालिन्दीसमीपनकेनीपनकेपातपातयोगिनीजमातनतेभरिगे ॥ चातकचकोरमोरदादुरसुभटजोरनिजनिजदांवठांवठांवनसँभरिगे । विनयदुरायअबकीजेकहामायहाय पावसमहीपकेचहूंघाघेरेपरिगे ८६ घनकीघनकघनघटाघनकतआलीदामिनिदमकदेतदीपकप्रकासहैं । बूंदनकेफूलजालधनुलेविशालमालआयेभुकिमेघसोप्रणामकोहुलासहैं । मोरनकेशोरचहुंओर विनयदीनद्यालपवनभकोरचोरकरेंआसपासहैं । पूजनकरतप्रीतिरीतिप्रकटाययहपावसनहोयपरमेश्वरकोदासहैं ८७ ॥ सवैया ॥ घनघोरघटाचहुंओरचलीचिनगीजुगुनूचमकावनोहै । मुरवानकेकूकअचूकहियेसहिहूकमहापछितावनोहै ॥ मनमाहिंसदामुददम्पतिकेविरहीजनतापतपावनोहै । अलिसावनमेंमनभावनतेरहिदूरिमहापछितावनोहै ८८ ॥ कवित्त ॥ घहरघहरघहरातचहुंघातेघेरिसघनसघनघनघुमड़िबरसतहै । छहरछहरछहरातक्षितिमण्डलपैछूटिछूटिबुन्दछरीकोछरतहैं । भहरभहरभहरातभौनभीतिभारी भीतिभारीभारतीकेभौनहूंभरतहैं । थहरथहरथहरातमेरोगातआलीप्यारोविजयानन्दाविदेशमेंबसतहैं ८९ घूमतघुमड़मतवारेसेमहांनघनघूमतनगारेज्योंधुकारंधुनिसोंमढ़े । धुरवाघम

कअदभुतसेतमकउठीदामिनीदमकचारु ओरअस्त्रंसेक
ढे ॥ ऐसीसुधिपावसप्रबलदलदयारामआयोबिरहीनपै
अतंकअतिहीबढे । बरषालगीरीबामबानबरषासीहोन
करखासेपढ़तमयूरगिरिपैचढ़े ६० घनदरशावनहैबीज
तरसावनहैचहूंओरधावनहैबेहरसगाढ़की । माननीभ
यावनहैमोरहरषावनहैदादुरबोलावनहैअति आढ़आढ़
की ॥ श्रींपतिसुहावनहैझिल्लीझनकावनहैबिरहीसता
वनहैचिन्ताचितबाढ़की। लगनलगावनहैमदनजगाव
नहैचातिककोगावनहैआवनअषाढ़की ६१ ॥ सवैया ॥
घनश्यामघटाउनईइततेघनश्यामनहींघनघातकरै। च
मकैंचपलादमकैंछतियां क्षणहीक्षणआंखनआंशूढरै ॥
पलहीपललौंपियपीयरटैकलनाहींपरैदुखदेहजरै। प
लसोंनलगेपलपीयबिनापलकाकेपरेपलकाकेपरे ६२ ॥
कवित्त ॥ घांघरेकीघुमड़ठमड़चारु चूंदरीकीपांयनमलूक
मखमलवारजोरेकी। भृकुटीबिकटछूटीअलकेंकपोलन
पैबड़ीबड़ीआंखिनपैछबिलालडोरेकी॥ तरिवनतरलज
राऊजरबीलोजोर सेवदकेललितबलितमुखमोरेकी ।
भूतलनभामिनिकीगावनगुमानभरी सावनमेंश्रीपतिम
चावनहिंडोरेकी ६३ ॥ सवैया ॥ घेरेघटाझुकिआईच
हूंदिशिदामिनितेद्युतिहोतअजोरें । जोरेंसोबोलतहै
पिकदादुरकांपिउठैंजबकूकतमोरें ॥ मोरेंमरोरउठैंजिय
मेंकबिरामगड़ीतिरछीदृगकोरें । कोरेंमिलावैंपियावह
सांवरोश्यामघटाचहुँओरतेघोरें ६४ ॥ कवित्त ॥ घनघह
रानलागेअंगसहरानलागेकेकी कहरानलागेबनकेविला
सीजे । बोलिबोलिदादुरनिरादरसोंआठौयामग्रीषमकी

देनलागेबहुरबिदासीजे ॥ ठाकुरकहतदेखोपावसप्रबल आईउड़तदिखानलागेबगुलाउदासीजे । दाबेसेदबेसे चारोंओरनछपेसेबीर बसबसरहनलागेबदराबिसासी जे ९५ चञ्चलचलाकेचहुँओरनतेचायभरीचरजगईती फेरचरजनलागीरी । कहैंपदमाकरलवंगनकीलोनील तालरजगईतीफेरलरजनलागीरी॥ कैसेधरोंधीरबीरित्रि विधिसमीरेंतनैतरजतगईतीफेरतरजनलागीरी । उम ड़िघुमड़िघनघेरकैघत्तेरीघटागरजगईती फेरगरजनला गीरी९६॥ सवैया॥ चौंकिउठीचपलाक्षणमेंघनघेरिचहूँदि शितेघुमरेहैं।औरदुहूँभरिकैंसलितावनितासुरँगीचुनरीप हिरेहैं॥ दादुरमोरचकोरसदागतिकोकिलछेदहियेमेंकरे हैं। प्यारेसुजानबिनाकबिरामसुकैसेअषाढ़केद्योसपरेहै ९७॥ कवित्त॥ चिन्तामणिघनबनवीथिनमेंबोलैंमोरतैं सियेरहीहैंघटाघनकीउनैउनै। तैसियेभईहैलालभूमिइ न्दुबधुनसोबधुनपहिरिलालचूनरीचुनैचुनै॥शीरीशीरी तैसियैकदम्बनकीबासलैलैबायुबहै लहलहीबेलिनदुनै दुनै। झांकिकैझरोखेघरीघरीमुरझातिवामहरीहरीपेखि अंकुरनकीमुनैमुनै ९८ चायचढ़ेदादुरतेबेधतहैंबदनको झिल्लीसुरसुआशवसुखनिकोओमुहै। पढ़तपपीहाकेकी कोकिलअखण्डकांडीहरीहरजगमग्योजुगुनूकोखोमुहै॥ दलदीजोऊधोप्रणवन्तकीजोपांयगली लजनिकरैजोने कदेखोचाहैजोमुहै।गोपीहोतीआहतबिरहकुण्डपावसमें आइयेसदनश्यामदनकेहोतुहै ९९ ॥ सवैया ॥ चोपच ढ़बनव्योममढ़ेबरसैसरसैकरिकैंप्रणगाढ़े । ऐसेसमैरघु नाथकियोघरतेपगबाहिरजातनकाढ़े ॥ श्रीवृषभानकुमा

रिमुरारिसखीतिहिश्रौसरप्रेमकेबाढ़े।पातनकोछतनाशि रदैदोउबातनकेरसभीजतठाढ़े १००॥ कवित्त॥ चंपला चमकिघनगरजनसाजसंग सहितअनंगकेतरंगधरिबो करै। शीतलसुगंधसुतपवनसहायकरिबसुधाअपारज लधारभरिबोकरै॥ चातकपुकारेमोरशोरकरिहारेबनझि ल्लीझरकारेअरिभांतिअरिवोकरै। पियकेप्रयंकमेंनिशं कह्वैभरतअंकअबघनघोरचहुंओरकरिबोकरै १०१ चूं दरीकीचहकचमकचारुचोपनकी चुरियोंकीचुहुरचितौ नचखचोरेकी। कहैपदमाकरमनोजमदमातीमजामेहदी कीमहकमजेजमुखमोरेकी॥ गोलागवगंजनगुराईगोल गालनकीगहगहीगालवगोराईगातगोरेकी। हरितहरा कीहीरहारकीहमेलहूकी हलनहियोईहरैहलनहिंडोरेकी १०२॥सवैया॥ चहुंओरनज्योतिजगावैकिशोरजगीप्रभा जेवनजूठीपरै। तेहिपैझरमानोंअँगारअनीअवनीघनी इन्द्रबधूटीपरै॥ नभनाचैनटीसीजरायजटीसीप्रभासी पटीसीनिखूटीपरै। अरीमेरीहटापटीबिज्जुछटाछटीछूटी घटानतेटूटीपरै १०३॥ कवित्त॥ चूनरीसुरंगसजिसोही अंगअंगानिउमंगनिअनंगअंगनीलौउमहतिहै। सौंध बैठिझांकतीझरोखनितेकारीघटा चौहरेअटापैबिज्जुछ टासीजगतिहै॥ द्विजदेवसुनिंसुनिशबदपपीहराकेपुनि पुनिआनँदपियूषमेंपगतिहै। चावनचुभीसीमनभाव नकेअंकतिन्हैंसावनकीबूंदैयेसुहावनीलगतिहै १०४॥ सवैया॥ चाहचढ़ीचितमैंहितकीउतकोनहुकेरसमेंअनु रागे। लेतनहींसुधिदेतमहादुखयेधुरवामिलिआय अभागे॥ कौलोंरहौंधरिधीरकृपानिधिबोलउराहनके

कढ़लागे । बेलीलगीगरबृक्षनकेपियदक्षिणकैपरदेशमें पागे १०५॥ कवित्त ॥ चितैचितैचहुंचमकतचंचलचप लचातुरिचकृतचौंकिचमकिचमकिउठै । श्रौभ्मकिउभ्म किभ्मुकिभ्मुकिभ्मभ्मकिभ्मभ्मकिभ्मिल्लीभ्मनकारनसों भ्म मकिभ्ममकिउठैं॥ भुवनेशभरतदरारेंदबेदादुरनदेखिदु रिदेखिदेंहदमकिदमकिउठैं। बरहीवलाकनिबिलोकिब दलानिवरविधुवदनिबनिताबमकिबमकिउठै १०६ ॥ सवैया॥ चमकीसीफिरैंचपलाचहुँघाद्युतिदन्तनकीजबहीं सरसै। सुनिकैभुवनेशजुबैनसुधासमकोकिलबोलनिको तरसै॥ यहमेरेहीश्रंगनकेपरसादतेपावसकीसुखमादर सै । लखिकेश्रलकैंघनश्रांसुनब्याजबड़ेबड़ेबूंदनसोंबर सै १०७॥ सवैया ॥ चहुंघातैघरीघरीघेरिघनाघनकीघ टाघोरघनीघहरै । छिनहीछिनछीननकोबरछीक्षितिलो छनछायाछटाछहरै॥ चकवाचकईबकचातकचीरिनकी चिचियानिचहूंचहरै। बिलखायबियोगिनिबेदनसोबिज यानँदबैठरहेबहरै १०८ ॥ कवित्त॥ छोटेछोटेकैसेतृण श्रंकुरितभूमिभयेजहांजहांफैलीइन्द्रबधूबसुधानमें। ल हकिलहकिशीरींडोलतिबयारिश्रौरबोलतमयूरमातेसब निलतानमें ॥ धुरवाधुकारैंपिकदादुरपुकारैंबकबांधिकै कतारैंउड़ैंकारेबदरानमें । श्रंशभुजडारेखरेसरयूकिनारे प्रेमसखीवारिडारेदेखिपावसबितानमें १०९ छायोनभब रसतबारिदविजयनन्द श्रानँदश्रथोरचारोश्रोरउमड़त हैं । पायोमुदमालतीकेकुंजकुंजगुंजतहैंभृङ्गपुञ्जद्वन्द्वगे हगेहतेभगतहैं॥ धायोदेशदेशतेविदेशोसबकण्ठलायो निजनिजकोभरयोमोदसोंजगतहैं । श्रायोसखीसावन

सुहावनसहींपैमोहिंबिनमनभावनभयावनलगतहैं ११०
सवैया॥ छबिसोहैदुकूलनमेंचुनकैंअपआपनीतेघटाजोव
ती हैं। रँगरातीसुनैधुनिमोरनकीमदमातीसंयोगसँजोव
ती हैं॥ कहिठाकुरवैपियदूरिबसेहमआंशुनतेतनधोवती
हैं। धनिवैधनिपावसकीरतियांपतिकीछतियांलगिसो
वतीहैं १११ छूटेघटाचहुँघाघिरज्योंगहिकाढ़करेजोक
लापिनकूकें। सीरीसमीरशरीरदहैबहकैंचपलाचषलैक
रऊके॥ येहोसुजानतुम्हेंलगेप्रानसुपावसयोंचपिपावस
सूके। हैघनआनँदजीवनमूरधरोचितमेंकतचातकचूके
११२॥ कवित्त॥ जलभरेघूमैमनोभूमैपरसतआपदशहूँ
दिशानघूमैदामिनीलयेलये।धूरिधारधूसरीसधूमसेधुधा
रेकारेधुरवानधारेधावैंछबिसोंछयेछये॥श्रीपतिसुजानक
हैंघेरिघेरिघहराहितकतअतनतनतावसेतयेतये।लाल
बिनकेसेलाजचादररहैंगी मोहिंकादरकरतआयबादरन
येनये ११३ जौलौंहौंनबोलीतौलोंचातकमयूरबोलेमा
नंकीमरोरनैनकोरऊनखोली में। खुलिरहीखूबखुशबोई
कीलहरिलालशीतलसमीरडोलैतनकौनडोली में॥सुक
बिनिहालमैनमनमेंउमगिआयोफूलिउठे फराकिउरोजयु
गचोलीमैं। कूकिउठीकोयलकसायनिकहूँतेआइदेखिघ
नश्यामघनश्यामतोसोबोलीमैं ११४ जादिनतेप्राणरख
वारेनेपधारेऊधोतबतेहमारेउरभारेखेददेंसबै। कोकिल
कुहूकहूकलगैविज्जुकलालूकटूकटूककरैं हियोमेघगरजैं
जबै॥ घेरेदुखमैनमतिधीरसकैनधरिआवतनचैनदिनरै
निमनमेंअबै। पैहैंसुखनैनममलखेसुखमाकेऐनआयेसु
खदैनयहबैनसुनिहौंकबै ११५ जबतेहमारेप्राणप्यारे हैं

तिअंगनिरंगमचावतिनारिनवीनी ॥ पीयभुलायदियो
हैअचानकप्यारीमहाछबिसोंभयभीनी । लालहिंडोरन
गोदभरीतियमोदभरीअंखियांभरिलीनी १२६॥कवित्त॥
झिल्लीरहयोझिल्लिनकीझाँईको झनकजूहदादुरसमू
हनकोहोतगलवलाहै । चारिहूतरफचारुचंचलाचमंक
बंकचातकचवाईकोनकोनचितचलाहै॥कहतकिशोरदे
खदेखतोनवेलीआजुआवतविहारमेंबहारभूमिभलाहै।
झरनसोंभरेफुलझरीसे झरतआवें झिलिमिलिबुंदके
झलनपरझलाहै १२७॥सवैया॥झरुहैझहरानझकोर
नहैदुरुहैकहिदादुरदूहनको ।बरहीकरहीमिलिशोरम
हाभयनेकनदामिनिकूदनको ॥ ब्रजराजविचारतभीजै
गीराधिकाकुंजनकोननमूंकनको । अपनेकरतानतका
मरीकान्हगितैभरजानतबूंदनको १२८ ॥कवित्त॥ झर
कीझरनझारझरीसीझरनअंग झंझाकीझकोरझार
झपटीझरीनमें ।छटाकीउछटछबिछपतछपाकरकीछा
इरहीछनदासुहाईदिनदीनमें ॥ चातकचिहारचकचौं
धिचारचहूंदिशिचक्षुनचकोरचकवानकेविहीनमें । ता
वशपरेहैपुषीकावशपरायेदेश पावसमेंतामसरहोनावि
रहीनमें १२९ डोलैपौनपरसिपरसिजलबूंदनसों
बोलैमोरचातकचकितउठीडरिमैं ।कहांलौंबराऊंदईमा
रेमैनबाणनसोंथकिरहीकेतिकौउपायीकरिकरिमैं ॥ दत्त
कविप्यारेमनमोहननपाऊंकहौ मनसमझाऊंरीकहांलौं
धीरधरिमैं । छायेमेघमगनसुहायेनभमण्डलमें आये
मनभावननसावनकीझरिमैं १३० तीरपरतरनत
नूजाकेतमालतरे तीजकीतयारी ताकिआईसखियान

में। कहैपदमाकरसुउमंगिउमंगउठे मेहँदीसुरंगकीत
रंगनखियानमें ॥ प्रेमरंगबोरीगोरीनवलकिशोरीतहां
भूलतिहिंडोरेयोंसुहाईसखियानमें । कामभूलैउरमेंउ
रोजनिमेंदामभूलैश्यामभूलैंप्यारीकीऽन्यारीअँखियान
में १३१ ॥ सवैया ॥ तेरेईबेभूमकेलखिकेजुगुनूनकीजेत
नलूकैलगी । बरकीसुधिकैदरकीछतियाजबसीरीबया
रिकीभूकैलगी ॥ भनिश्रीपतिआयघटाघहरैहहरैहिय
राअतिहूकैलगी । अबकैसेबनावबनैगोपियाबिनपापि
नकोकिलकूकैलगी १३२ ॥ कवित्त ॥ तेरेडाहदहीबैठको
ठरीकेकोनेरही अजहूंतोंदेहिकौलनिकसोंतोकोनेसों ।
कहैमकरन्दकोईपक्षिनगहनपंख कामसोनिहोरोकरिदे
खोजोंनतोंनेसों ॥ तोकोमैंजरायजरौंचोपकरिओपकरी
चुनिचुनिचुनीलाललाखनकेलोनेसों । येरेयेपपीहाजैसे
पीयपीयकहैं तैसेआवआवकहैतोमढ़ावोंचांचसोनेसों
१३३ दूरियदुराईसेनापतिसुखदाईदेखोआईऋतुपाव
सनपाईप्रेमपतियां। धीरजलधरकीसुनतधुनिभरकीसो
दरकीसुहागिनकीछोहभरीछतियां॥ आईसुधिवरकीहि
येमेंआइखरकीसुमिरिप्राणप्यारीवहपीतमकीबतियां ।
भूलीअवधआवनकीलालमनभावनकी डगभईबावन
कीसावनकीरतियां १३४ दूबरीभईहैदेहकूबरीसनेहसु
नेऊबरीनशोकसिन्धुपायज्ञानबोहितें । रहीअकुलायहा
यकरैशिरकोनवायकहैयदुरायरहेकेतेदिनकोबितें । गाढ़
येअसाढ़देखिबढ़तिवियोगविथादामिनीदमकमोरशोर
हैंजितैतितैं ॥ आयेघनश्यामकाहूबामनेसुनाईटेरिचौं,
किचौंकिउठीचन्दमुखीचहुंघाचितैं १३५ दमक्केदशों

दिशा़दुनालीज्योढ़दामिनिकेघनकेनगारेभारेउरउलभ्क
नके । भ्कनकेभ्कनाकभुएडभ्कींगुरविगुरवाजेंसनकेसमी
रतीरशक्रशरासनके ॥ सनकेसमरमदमेचकभ्किलमधा
रेठनकेनकीवदर्पदादुरदमनके । मनकेनदनकेविनका
मिनिकदनकेयेआयेवीरबादरबहादुरमदनके १३६ दा
मिनीदमकसुरचापकीचमक श्यामघटाकीजमकअति
घोरघनघोरते ॥ कोकिलाकलापीकलकूजतहेंजितकित
सीकरतेशीतलसमीरकेभ्ककोरते । सेनापतिआवनकहे
हेंमनभावनसो लागेतरसावनबिरहजुरजोरते ॥ आयो
सखीसावनमदनसरसावनसो लागेबरसावनसलिलच
हुँओरते १३७ दोऊमखमूलभूलभूलमखतूलभूला
लेतसुखमूलकहितोषभरिबरसात । छूटिछूटिअलकक
पोलनपैछहरातफहरातआंचरउरोजरुउघरिजात ॥ र
हौरहौनाहींनाहींअबनाभुलावोलाल बत्राकीसोंमेरेथेयु
गलजानथहरात । ज्योंहीज्योंमचतलचकतलचकीलो
लंकशंकनमयंकमुखीअंकनलपटिजात १३८ देहौंदृग
अञ्जनतिहारेहठमंजनके पावससोंजावकहौंपायँनदिवा
यहौं । सूहोशिरसारीडारिभूलिहौंहिडोरेमांभ्कधीरेसेसु
रनकछुगुणगनगायहौं ॥ हठनाहींकीजैहाहारक्षाकरबां
धिबेकीसुनहुसयानीयाकोभेदहौंबतायहौं । मेरेतनग्राम
बैठोविरहनरेशनाम छ्वैहौंचिरजीवयातेभूलिनबधायहौं
१३९ धावनधुरानेधुरवानकीनिहारीपियचातकमयूरपि
कआनँदमगनभो । श्रीपतिहोसावनसोहावनकेआवन
मेंबिरहसुभटतेवियोगिनीकोरनभो ॥ जलमयीधरणि
तिमिरमईदेहदीहघनमईगगंनतड़ितमयीघनभो । छ

त्रिमईवनभोविलासमयीतनभो सनेहमयीजनभोमदन मयीमनभो १४० ॥ सवैया ॥ धुरवानकीधावनमानोअनंगकी तुंगध्वजाफहरानेलगी। नभमण्डलतेक्षितिमण्डलछ्वैछिनज्योतिछटाछहरानेलगी॥ मतिरामसमीरलगीलतिकाबिरहीवनिताथहरानेलगी। परदेशमेंपीयसंदेशनहींचहुंओरघटाघहरानेलगी १४१॥ कवित्त॥धाराधरभूमिऋतुधरासे धधायधाये धौंरहरधमकायधायधकादेतुहैं। झंझापौनझूकझोरझुकनझकोरझोंकझिल्लीझनझालजालझझकतुत्रेतुहैं ॥ विरहबलायते मुबारकनकहीजायतापरसहायप्रेतचढ़ेखलखेतुहैं। दादुरदिवारचढ़ेचातिकतमारचढ़े गिरचढ़ीमोरशिरचढ़े मीनकेतुहैं १४२ धूमसेधुधारेकहूंकाजरसेकारे येनिपट विकरारेमोहिंलागतसघनके।श्रीपातिसुहावनसलिलबरसावनशरीरमेंलगावनवियोगिनातियनके॥दरजिदरजिहिरालराजिलराजिकरिअराजिअराजिपायँपकरेमदनके। बरजिबरजिअतितरजितरजिमोपैगरजिगरजिउठेबादरगगनके१४३॥ सवैया॥धावनकोऊपठाऊंउतैउनतौइहि औसरमेंकहेआवन। गावनऐरीलगेमुरवाधुरवानभमंडलमेंलगेधावन॥छावनयोगीलगेशिवलालसुभोगीलगेहैंदशादरसावन।तावनलागोबियोगिनकोतनुसावनबीर लगेबरसावन१४४॥ कवित्त ॥ धीरगयोहीकोसुनिशोरबरहीकोबीरनामलैकैपीकोयापपीहाआनिपीकोहै। मेघअवलीकोघोरपौनअवलीकोवहैमारअवलीकोहायमारअवलीको है॥नाहसेपथीकोकहूँआइबोनठीकोकहैदेखिअवनीकोरंगलागतननीको है । डारैअधंजीकोमोहिंकीने

अधज़ीकोयहजानतनजीकोभेदहरतनजीकोहै १४५ ॥
सवैया ॥ धनिवेजिनप्रेमसनेपियकेउरमेंरसबीजनबोवती
हैं। धनिवेजिनपावसमेंपिसिकेंमेहँदीकरकंजमलोवतीहैं॥
धनिवेजिनसूरतिसाजिसजैंहमलाजकेबोझकोढोवतीहैं।
धनिवेधनिसावनकीरतियांपतिकीछतियांलगिसोवतीहैं
१४६ धनिवेजिनपावसकी ऋतुमें नितप्रीतिमेंप्रीतिसों
जोवतीहैं। धनिवेजिनकारीघटामेंअटाबिचबिज्जुछटाछ
बिछोवती हैं ॥ धनिवेजिनरामचरित्रहियेहिलिहोसनह
र्षितहोवतीहैं। धनिवेधनिपावसकीरतियांपतिकीछतियां
लगिसोवतीहैं १४७ निजनैननकोबरसाबरसातरसातन
आंशुनधोवतीहैं। कहुँरामचरित्रनरोवतीहैंदिलकीदिल
हीबिचगोवतीहैं॥ हमतोनितपावसकीनिशिमेंसखिसूनी
सेजटकटोवतीहैं।धनिवेधनिपावसकीरतियांपतिकीछति
यांलगिसोवतीहैं १४८ निशिनीलनयेउनयेघनदेखिफटी
छतियांब्रजबालनकी। कबिगंगतनाद्युतिक्षीणभईसुथरी
छबिदेखितमालनकी ॥ दशहूँदिशिज्योतिजगामगहोत
अनूपमजीगनजालनकी। मनोकामचमूकीचढ़ीकिरचेंउ
चटेंकलधौतकेनालनकी १४९ ॥ कवित्त ॥ पावसप्रवेशपि
यप्यारोपरदेशयेऔदेशकरिझांकतीहैमहलदरीदरी। ब
गनकीपांतिइंदुबधुनकीकांति लखिभांतिभांतिबादरबि
सूरतिघरीघरी॥ पवनकीझूकैंसुनिकोकिलकीकूकैंगुनिउ
ठीहियहूकैंलगीकांपनडरीडरी। परीअलबेलीजियखरी
तलबेलीतकेहरीहरीबेलीबकेव्याकुलहरीहरी १५० पा
वसप्रथमपियआवनकीऔधिहै जोआवतहीआवैतौबु
लाऊंअतिआदरन।नाहींतौनकीचहोनदैरीबीचसूखेसर

ग्रीषमहिंभाखखालीराखखलखादरन ॥ बिजुरीकरजक
हिंमेहनगरजइनगाजमारेमोरमुखमोररीनिरादरन। चो
चलोचचातकन कण्ठरोककोकिलन दूरिकरिदादुरबि
दाकरिदैबादरन १५१ ॥ सवैया ॥ पपिहाकीपुकारपरीहै
चहूँबनमेंगणमोरनगावनके । कहिश्रीपतिसागरसेउमं
गेतरुतोरततीरसुहावनके॥ बिरहानलज्वालदहैतनको
क्षणहोतंसखीपगबावनके।दिनगेमनभावनआवनकेघह
रानलगेघनसावनके १५२ पारथकोधनुघूमिगयोबरष्यो
घनघोरचहूँदिशितेज्यों। लङ्कपतीहूँउतारिधरीधनुटारि
धरीरघुबीरबलीत्यों॥ एकईहैरसबातनईयेजूशालतप्राण
अचंभयहीयों। बैरीमनोजकेहाथरहीबरषाऋतुयेरीकमा
नचढ़ीक्यों १५३ ॥ कवित्त ॥ प्रथमहिपावसकोआगमबिलो
किनाथतड़पितड़पिउठैदामिनीअचानकी। ठौरठौरभीं
गुरनझनकिझनकिन्नोलैंद्रुमनकीडोलैंडारपवनढरानकी।
मोरनकोशोरसुनिउठिहैभभकिकाम कौनचतुराईसुधिक
रतप्रमानकी। घहरघमंडेंघेरिघेरिमाहिमंडैतैसीआवतप्र
चंडेंयेउमंडैबदरानकी १५४ प्रेममदपागेअनुरागेलालबा
गेदोऊलागेभलेलोचनकेभूलतहिंडोरना॥लीनीहैचपल
द्युतिचोरनेचुरायचित्तचन्द्रमुखीचञ्चलचखनगुखवोरना
ज्योंज्योंप्राणपतिपरिरंभनकरतत्योंत्यों भावतीमुरतइहै
शोचकेभकोरना॥सरसप्रसूनहूतेकोमलकिशोरउरकठिन
कठोरमतिगड़ैकुचकोरना १५५।सवैया॥पानियमोतीमिला
यपुहीगुणपाटपुहीसोजुहीअभिलाखी। नीकेसुभायकरंग
भरीहितज्योतिखरीनपरैकछुभाखी॥ चाहलैबांधीहैप्रीति
कीगांठसोंहैघनआनँदजीवनसाखी। नैननपानबिराजत

जानजोरावरेरूपअनूपकीराखी १५६ ॥ कवित्त ॥ पवनभ
हरनकदंबछहरनलागेतुंगफहरनलागेमेघमण्डलीनके।
भनतकबिन्दधारासरनिधरनिभरीकोसहोनेलागेबिकस
तकदलीनके।त्रासउपजनलागेसंपुटखुलनलागेकुटमकु
टनलागेकुटजकुलीनके।नाचेबिरहीनकेअहीनसुरभिझि
नकेदीनभयोबदनमलीनअवलीनके १५७॥ सवैया ॥ पि
कबोलतडोलतमारुतहेलतिकाद्रुमजानिनयेबनये।उल
हेमहिंअंकुरमंजुहरेबगरेतहँइंदबधूगनये॥ असपायकि
शोरसमैरसमैकसहोइनामैनभईमनये। चितचैनचराम
नआनछयेअबदेखनयेउनयेघनये १५८ पूरणप्रेमकोमं
त्रमहापनजामधशोधिसुधारहिलेख्यो। ताकरचारुचरि
त्रविचित्रनयोपचिकेरचिराचिबिशेख्यो ॥ ऐसोहियेहित
पत्रपवित्रसुआनकथानकहूँअवरेख्यो । सोधनआनँद
जानसुजानलैटूककियोपरबांचनदेख्यो १५९ ॥ कवित्त ॥
प्यारेहीकेकाजप्यारीहित काजप्यारेदुहुदुहुनशिंगारेतन
नीकेचंदमटसों । यमुनाकेनीरतीरहंसिहंसिबातैंकरैंमन
अटकायोकलकोकिलाकीरटसों ॥ रातेरघुराईघनघटाघ
हरायआईबरसनलाग्योनान्हींबूंदनकेठटसों। जौलौंप्या
रोप्यारीकोउठायोचहैपीतपट तौलौंप्यारीप्यारोढांपलीनोनीलपटसों १६० ॥ सवैया ॥ परकारजदेहकोधारेफिरो
परयन्ययथाबिधिहोदरसो। निधिनीरसुधाकेसमानकरो
सबहूबिधिसुन्दरमासरसो॥ घनआनँदजीवनदाइकह्वैक
छूमेरियोपीरहियेपरसो। कबहूँवाबिसासीसुजानकेआँग
नमोअंशुवानकोलैबरसो १६१ पावसमेंपरदेशापियासुख
हूबनितानसोंप्रेमपगे। घनघूमिरहेछबिसोंक्षितिपैमर्याद

मनोरथजातभगे ॥ अतिमारतमारसुबाणनसोंपुनिनैन मनोसबयामजगे। किहिभांतिपतिव्रतपालहुरीमुखागि रिपैकहरानलगे १६२॥ कवित्त ॥ पौनहहराईबनबेलीथह राईलहराईसौरभकन्दबननकीसानते। झिल्लीझुननाई पिकचातकचिच्याईउठेबिज्जुछहराईछाईकठिनकृपानते कहेंपरमेशचमकतजुगनूनचायमेरेमन आईऐसीउक्ति अनुसानते।बिरहीदुखारेतिनपरदईमारेमानोमेघबरसत हैंअंगारेआसमानते १६३ पौनकेझकोरनकदम्बझहरा नलागेतुङ्गफहरानलागेमेघमण्डलीनके। भनतकबीन्द्र धरासारनभरनलागेकोशहीनलागे बिकसिनकुन्दकलीन के॥ उटजनिवासिनकेत्रासउपजनलागेसम्पुटखुलनला गेकुटजकलीनके।मानोबिरहीनकेअहीनस्वरझिल्लिनके दीनभयेबदनमलीनबिरहीनके १६४ पीउनपीउकरतमि लेजोमोहिंआजपीउसोनेचोंचचातकमढ़ाउँअतिआदर न।कठिनकलापिनकेकंण्ठनकटाइडारोंदेतदुखदाःदुराचि रायडारोंदादुरन॥ मोतीरामझिल्लीगनमंदिरमुँदाइडारों बधिकबुलाइबांधौंबनकीबिरादरन।बिरहाकीज्वालनसों जिरहजराइडारोंश्वासनउड़ाऊंबैरीबेदरदबादरन १६५ पौनझकझोरघनघोरघनेघटाअटाबिचबिरहकेतापतन तापिनी। कहूंकलनापरैकामिनीकाकरेंदरैदुखदापतेदा मिनीदापिनी ॥ दादुरोझींगरोमोरसबशोररतेंरामचरित्त रबधेबोलिपिकपापिनी। भूतभूषणभयोचुरीचुरइलिभ ईरातिरमनिकिभईसेजभईसांपिनी १६६॥ सवैया ॥ प्या रेओप्यारीअटापरबैठिकेदेखतदोऊघटाकोअंवारी। बा रहिबारगराजतबादरदामिनियांकरतीज्योंपटारी ॥ बो

अकेलीकामकेलीसीबढ़तिहै । कहैपद्माकरभमंककी भकोरनसोंचारोंओरशोरकिङ्किणीनकोकढ़ति है ॥ उरउचकाइमचकीनकीमचामचसों लंकहिलचायचायचौगुनी चढ़तिहै । रतिविपरीतकीपुनीतपरिपाटीसुतो हौंसनिहिंडोरेकीसुपाटी मेंपढ़तिहै १७७ कुहूकुहूवृंदभरैंवीरवारिवाहनतेकुहूकुहूशब्दहोतकीरकोकिलानकी । ताही समैश्यामाश्याम झूलतहिंडोरेबैठिवारोंछविकोटिनमेंरति पंचवानकी ॥ कुण्डललटकसोहैंभृकुटीमटकमोहैं अटकचटकपटपीतफहरानकी ।। भूलनसमेकीसुधिभूलतनहूलतरीउभकनिभकभकिभकोरनिभुजानकी १७८ वरसतमेहनेहसैंरसतेंअंगअंगभुरसतदेह जैसेजरतजवासीहै । कहैपद्माकरकलिन्दीकेकन्दवनपैमधुपनकीन्होआयमहतमवासीहै ॥ ऊधोयहऊधमजतायदीजोमोहनकोब्रजसोंसुवासोभयोअगिनअवासोहै । पातकीपपीहाजलपानकोनप्यासोकहा व्यापितबियोगिनिकेप्राणनकोप्यासोहै १७९ ॥ सवैया ॥ बनबागनकेप्रतिकुंजनमेंघनीलोनीलवङ्गलतालहरैं ।बसिकैनभमण्डलमेंभुवनेशभलेक्षणजोन्हहियोथहरैं ॥ बरसैघ्रनआंसुनव्याजननीरतऊपैअधीरभयेघहरैं । पपिहाऊपियारटलायोकरैंमनमानुषकोनहिंक्योंहहरैं १८० ॥ कवित्त ॥ बूढ़केबढ़तकामपावससुखदधाममेघअभिरामश्यामबकव्योमउसके । भनतदिवाकरविहङ्गचोचाखोतालाइ करतवहारसुलहारलेतखुसके ॥ देखिहरिआईभूमिगाइनहुलासहोतरागकीप्रकासवोबिकासकासकुसके । कुचसहरातघहरातघनछमछन धनधनआलीयहकौनघालीरूसके १८१ त्रि

पतविंलोकतहीमुनिमनडोलिउठे बोलिउठेबिरहीबिनोद भरेबनबन । अकलविकलह्वैविकानेरेपथिकजनउर्ध्वमु खचातकअधोमुखमण्डलगन ॥ वेनीकविकहतमहीकेम हाभागभयेसुखदसंयोगिनिवियोगिनिकेतापतन । कुंज पुंजगंजनसुखीदलकेरंजनसो आयेमानभंजनपैअंजनब रणघन १८२ ॥ सवैया ॥ बरसैंबनकुंजनपुंजलतासिक मंजुमयूरंनकोसरसैं । मधुघोरकिशोरकरैंघनयेचपलाच लचारुकलादरसैं ॥ अलिहोंवल्लतूचलबेगिहहा उततो बिनप्राणपियातरसैं । उमड़ैंद्रुमड़ैंघुमड़ैंघनआजमिहींबुं दियानवड़ोबरसैं १८३ ॥ कवित्त ॥ बरषैपुनरबसुधराहैउदा राजहैं इन्द्रगोपगोपिकालीफिरैंघूमिघूमिहैं । द्विजहरषावैं पयआवैंचहुंओरनितेंअम्बरसुहावैंसिखिआवैंजूमिजूमि हैं॥चपलासहितबसुयामजामैंघनश्यामगतिअभिरामअ तिचलैंभूमिभूमिहैं॥ चहूंघातमालैंहैकदम्बतालैंदीनद्या लपावसरसालैंकेविशालैभूमिभूमिहैं १८४ ॥सवैया॥ बैरी वियोगकीऊकतजारनकूकउठैअचकाअधरातक। बेधत प्रानबिनाहीकमानसबानसोंबोलसोकानहोघातक ॥ शो चनहूपचियेवचियेकितडोलतमोलतलेपमहातक । हेघ नआनँदआनछयेउतपैंडपरेइतपातकीचातक १८५ ॥ कवित्त ॥ बोलतहैंबनमोरदादुरकरतशोरदामिनिकींकौंधै अतिलागतिभयावनो । गरजतघनघोरकामचढ़्योदल जोरकहाकरौंनाहनाहींमहामनभावनो ॥ बैठीहौंअधीन अवयाकोधौंविचारकहा मेरेगरेपरेवोईसावनोडेरावनो । औरतौसहेलीसबझूलतहिंडोरोडारि श्वासकोहिंडोरोमो हिंपरयोहैझुलावनो १८६ ॥ सवैया ॥ बैठिअटापरऔधि

विसूरतपाथसंदेशनश्रीपतिपीके । देखतछातीफटैंनिपटैं उभ्कटेजबविज्जुछटाछबिनीके। कोकिलकूकेंलगैमनलूकें उठेंहियहूकेंवियोगिनितीके ॥ वारिकेवाहकदेहकेदाहक आयेबलाहकगाहकजीके १८७॥ कवित्त ॥ बर्बरातबैंहर प्रचण्डखण्डमण्डलपै दर्बरातदामिनिकीद्युतिर्राअर्फरा त । घर्घरातघननकेमेघआयेभर्भरातपर्परातपानिपके बुन्दनतेजर्फरात ॥ भर्भरातभामिनिभवनमाँभसेनापति हर्बरातहायहीयपीयपीयबर्बरात । चुर्भुरातखिन्नखिन्नधी रनधरतवीरनीरहीनमीनऐसीसेजपरफर्फरात १८८ ॥ सवैया ॥ बरसेंजुरिकेंअतिकारीघटालखिबातनआवतहैंग रसें ।गरसेंअबचाहतहैंविजुरीवनकेखगदेखिसभैहरसें॥ हरसेंकोउजायकहैंबतियांबुंदियांतनलागतहैसरसें । स रसेंछबिसांवरोकीकविरामघटाअरिकैंजुरिकैबरसें १८९॥ कवित्त ॥ बाजतनगारेघनतालदेतनदीनारेभींगुरनभांभ भोरभृंगनबजाईहै । कोकिलअलापचारीनीलकंठनृत्य कारीपौनवीनधारीचाटीचातकलगाईहै ॥ मणिमालजुगु नूममारखतिमिरथारचौमुखचिराकचारुचपलाजनाईहैं। बालमविदेशनयेदुखकोजनमभयो पावसहमारेल्याईवि रहबधाईहै १९० ॥ सवैया ॥ बरसैघनऔंचमकैचपला सुखदम्पतिकेहियमेंसरसै । सरसैपिकचातकशब्दप्रवी नरुकामवियोगिनकोदरसै ॥ दरसैसबओरघटागजसी घरमध्यपियासुप्रियाबरसै । बरसैविरहानलएकघरीविर हीनकोएकघरीबरसै १९१ ॥ कवित्त ॥ भूलीकिधौंह्यांकी पीरबाढ़ीहैउहांकी भरैंनैनभरनाकीसुधिआयउरवाकी है । चपलाचलाकीकरैनटकीकलाकीतैसी दौरबदराकी

औधुकारधुरवाकीहै ॥ हैनकछुबाकी औधआसरानिशा
कीतामेंआइपरेडांकीयेभकोरपुरवाकीहै । टेरपपीहांकी
करैसेलसमताकी डरैकरैउरभांकीसेपुकारपपिहाकी है
१६२ भादौंकीअंधेरीधुरवाकीलटकेरीपावसासनकरेरी
छिनछिनछोड़ेबानरी । बोलतभयानभैगीबासनातज
तयोगीपतिसेविहूननासोहातखानपानरी ॥ भनतदिशा
करकरारदरियावछोड़ी नावकेनवाहबादशाहछोड़ेशान
री । पावसप्रबलमेरेपियकोछोड़ायदीन्हों दोषनविदे
शीकरैकैसेकैपयानरी १६३ भादौंभरेसरबहैनदीनारे
धरधरधरापैमेघभरिभरि भरतिहै । भरिभरिनयननि
मैंनमारीहारीबरिबरि अरिअरिवीरवीरवीरमैंकहतिहै ॥
धरिधरिदेखोकरहियोहोतधर थरथरकांपैधरधीरनाधर
तिहै । हरिहरिजीवजातदेखलताहरिहरि हरिहरिहरहर
रसनारटतिहै १६४ ॥ सवैया ॥ भजिबेगिचलोमथुराको
भटूबचिहैनकोऊकरिजोरनरी । घिरिकारीडरारीघटानभ
तेलटकीधुरवानकीडोरनरी ॥ अतिचायचढ़ीलहकैचप
लाबहकैबरहीनकेशोरनरी । वहपाछिलोबैरिसंभारिपुरंद
रचाहैसबैब्रजबोरनरी १६५ भावनतेमनकेबिछुरेजबते
तबतेतनकामसतावन । तावनदेहसमीरकरैवदरालखि
मोरलगेकलगावन ॥ गावनघेरिघटाबरषैजियकोसगरे
बिधिहैतरसावन । सावनकौनउपायसखीहियलायमिलौ
अपनेमनभावन १६६ ॥ कवित्त ॥ भूमिभईहरितसरित
सरउमड़तसूभोनापरतमगपगदीजियतुहै । नेहसर
सावनसधावनलगेहैंसिंह आवनकीबारमेंबिदेशभीजिय
तुहै ॥ सखिनकीसीखसुनिसींचियेनदुःखबेलिकेलितज

कवतेविरहवीजियतुहे। रहोमनभावनलगेहेंपिकगावन सुऐसेभेरेसावनपयानकीजियतुहे १९७॥ सवैया ॥ भूमि हरीभईगैलैंगईमिटिनीरप्रवाहवहावबहाहे। श्यामघटा नअंधेरोकियोदिनरैनिमेंभेदकछूनलहाहे॥ ठाकुरभौनते दूसरेभौनओजातवनेनविचारमहाहे। कैसेकैआवेकहा करैवीरविदेशीविचारनदोषकहाहे १९८॥ कवित्त ॥ मद मईकोयलमगनक्केकरतकूकेजलमईमहीपगपरतेनमगमें। बिज्जुनाचैघनमेंबिरहहियवीचनाचैमीचुनाचैब्रजमेंमयूर नाचैनगमें॥ श्रीपतिसुकविकहेसावनसुहावनमेंआवन पथिकलागेआनंदभोअंगमें। देहछायोमदनअछेहतम क्षितिछायोमेहछायोगगनसनेहछायोजगमें १९९ मेच ककवचसाजवाहनवयारवाजगाढ़ेदलगाजरहेदीरघवद नके। भूषणभनतसमशेरसोईदामिनीहेहेतनरकामिनीके मानकेकदनके॥ पैदलबलाकाधुरवानकेपताकागहेघेरिय तआजचहुंओरनसदनके। नकरनिरादरपियासोंमिलो सादरयेआयेवीरबादरबहादुरमदनके २०० मोरनकेसु रतेनसुरतेरहीहैंओरउरतेनिकासेचेतसुरतेकन्हाईकी।पी वपीवकहेबिनपीवजीवअकुलावेघातैंचहुँघातलागीचात ककसाईकी॥ तेरेघरधीरजहीबौरेमनमोहमहादौरेशंभु दुसहदमारदुखदाईकी। कोरेउठीघनकीवचावैकहुकोरे प्राणकोरेलेतीहीयेयेभकोरेपुरवाईकी २०१ मल्लिक नमंजुलमलिंदमतवारेमिले मंदमंदमारुतमुहेममनसा कीहै। कहैपदमाकरत्योंनिनदनदीननितनगरनबेलिन कीनजरनिशाकीहै॥ दौरतदरेरादेतदादुरसुदूंदेदीहदा मिनिदमकतिदिशानमेंदशाकी है। बद्दलनबुंदनबिलो

कोवगुलानबागत्रंगलनबेलिनबहारवरसाकी है २०२यो
बनप्रबेशमेंबिदेशमदसूदनजी निपटअंधारीकारीसाव
नकीयामिनी । एकटकरटतपपीहापिकनीलकंठहियोच
मकतदमकतजबदामिनी॥ सूनेसेजमंदिरमेंसुंदरिबिसूरै
बैठीपीतमसुजानबिनकैसेजियेभामिनी। नैनभरिभरिढरै
मुखहरिहरिकरैउछरिउछरिपरैकामभरीकामिनी २०३
राजैरसमैरीतैसीबरषासमैरी चढ़िचंचलानचैरीचकचौं
धाकौंधावारेरी। ब्रतीब्रतहारेहियेपरतफुहारेकछुछोरेकछु
धारेजलधरजलधारेरी।भनतकबिंदकुंजभौनपौनसौरभ
सोमदनकंपायकेनपहरतपारेरी। कामकेतुकासेफूलडोल
डोलडारेमनऔरकरिडारेयेकदंबनकीडारेरी २०४ रा
चिराचिइन्दुबधूहरीहरीभूमिपरदौंकदौंकदामिनीहमारि
येअरजहै। बोलिबोलिपपिहामयूरगतिनाचिनाचिबकि
बकिदादुरनकाहूकीमरजहै॥साजिसाजिपावसतूसावस
हैगुरुदत्तकरिकरिबारअतिछतियादरजहै । येरेबदबद
रातूबरजोनमानतहै गरजगरजतोहिआपनीगरज है
२०५॥ सवैया ॥ राधाऔमाधोखरेदोउभीजतवाझलरे
झपकेबनमाहीं । बेणीगयेजुरिबातनमेंशिरपातनकेछत
नागलबाहीं॥ पामरीप्यारीउठावतिप्यारेको प्यारोपित
म्बरकीकरेछाहीं । आपुसमेंलहाछेदमेंछोहमेंकाहूकोभी
जबेकीसुधिनाहीं २०६॥ कवित्त॥ रहसिरहसिहँसिहँसि
केहिंडोरचढ़ीलेतखरीपैंगेछबिछाजैउकसनमें । उड़तदु
कूलउघरतभुजमूल बड़ीसुखमाअतूलकेशफूलनखसन
में॥ वोझलकैदेखिदेखिभयेअनमेखश्यामं रीझताबिसू
रश्रमसीकरलसनमें । ज्योंज्योंलचिलंचिलंकलचकत

नुदेवरा जमोतिनकीपांतिबकवंशीटेरमोरसे॥ भनतदिवा करसुआननिशाकरसेहीरनसेजुगनूधमारनकेशोरसे। एरेपापीपावसअमावसकरातिअसकसअनुहारिपियतो रेमनचोरसे २१७॥ सवैया॥ शुचिसावनीतीजसुहावनीबी जघनेघनह्वघहरानलगे । वनकेवनगोविंदचातकमोर मल्लारनकोठहरानलगे ॥ दुवोभूलैंभुकेभमकेरमकेहि यराअतिसेहहरानलगे। पटप्रेमपगेफहरानलगे नथके मुकताथहरानलगे २१८॥ कवित्त॥ श्यामघटानाहींयेतो धूमनकीछटाछांहीं दामिनिकहांहैयेतोचोखाउठैधुरमैं। गरजकहांहैयेतोघोरफटेथम्भनकी जुगनूकहांहैयेचिन गिउडैंसुरमैं ॥ मेघबूंदनाहींयेबुभावतफिरतदेव तिनही केछांटेआयपरेभूमिउरमैं । मिहकहैदावानलआयकैबु भावैकौनएरीआगलागीहैपुरन्दरकेपुरमैं २१९ शरद शशीतेअधशशीह्वैबचीहौंकवि चिन्तामणितिमहिमशि शिरभमकते । मारतमरूकैबचीबधिकबसन्तहूंते पाव कप्रजारबांचीग्रीषमतमकते ॥ आयोपापीपावसयेप्राण उकतानलागेभागेरीअसानघोरघनकेधमकते । तापते तचौंगीजौंपैअमियअचौंगीआलीअवनबचौंगीचपला नकीचमकते २२० सावनकीरैनिमनभावनगुविन्दबिन देतदुखभरनमेंभिल्लिनकोशोरहै । कालिदासप्यारी अंधियारीभिंचकितहोतउमड़िघुमड़िघनघहरतघोरहै॥ सूनेकुंजमन्दिरमेंसुन्दरीबिसूरैबैठी दादुरसेदहकसीलेत चहुंओरहै । हियेमेंवियोगिनीकेविरहकीहूकउठीकूकउ ठीकोकिलकुहकउठेमोरहै २२१ ॥ सवैया ॥ सुनियेध्वनि चातकमोरनकीचहुंओरनकोकिलकूकनसों। कविदेवघ

टाउनईजोनईबन्नभूमिभईदलदूकनसों ॥ अनुरागभरे हरिवागनमें सखिरागतरागअचूकनसों । रंगरातीहरी हहरातीलता झुकिजातीसमीरकेभूकनसों २२२ ॥ कवित्त ॥ सावनसुहावनकोआवनभयोहैपियधावनधवल धुरवानकोविशेषिये । बेहरझरपलागेघरकउठतछाती दरपजरपतड़ितानकीपरेखिये ॥ श्रीपतिरसिकमनभाव नतजतजियथासमेंविदेशकोगवनकहालेखिये । धीरज बिहंडैबूंदबदरीअखण्डैअति घनकीघमण्डैब्रजमण्डल मेंदेखिये २२३ सावनसखीरीमनभावनकेसंगबलिक्यों नचलिभूलतीहिंडोरेनवरंगपर । कहेंपदमाकरसुयोवन तरंगनते उमँगउमंगतअनंगअंगअंगपर ॥ चोखीचू नरीकीचारितरफतरंगतेसी तंगअंगियाहैतनीउरजउतं गपर । सौतिनकेबदनबिलोकिबदरंगअब रंगहैरीरंगते रीमेहँदीसुरंगपर २२४ ॥ सवैया ॥ सावनतीजसुहावन कोसजिसूहेदुकूलसबैसुखसाधा । त्योंपदमाकरदेखबनै नबनैकहतेअनुरागअगाधा ॥ प्रेमकेहेमहिंडोरनमेंसर सैबरसैरसरंगअबाधा । राधिकाकेहियभूलतश्यामरो श्यामरेकेहियभूलतिराधा २२५ ॥ कवित्त ॥ सघनघटा नछबिज्योतिकीछटानबीच पिकउरटानज्योतिजीगनजु ईपरे । हारहियहरितनदीननदभरितझरीनभरझरित सोधरनिधुईपरे ॥ ऐसेमेंकिशोरीगोरीभूलतिहिंडोरेभु किभकनिभकोरैफेलिफूलनिफुईपरे । कीजियेदरशनद नन्दब्रजचन्दप्यारेआजुमुखचन्दपरचूनरीचुईपरे२२६ सावनसुहावनविशेषिनभधनुलेखियादिह्मोतिभटपटपी तअभिरामकी । तकिमृगपातीविलपातीअकुलातीमति

आवतिसुरतिवहमौलसिरीदामकी ॥ मोरचहुंओरदेखि
मुकुटसुरतिहोति चपलाचमकदेखिकुण्डललल्लामकी।
ऊधोब्रजवामकैसेधीरधरैंसूनेधाम लखिघनश्यामसुधि
आवैघनश्यामकी २२७ सांझहूंसकारेझनकारेहोतन
दीनारेपावसकेमांझझांझझिल्लिनतजतये। दामिनि
मशालकोदिखावैंतालदादुरदे मोरचहुंओरनाचनाटको
सजतये॥ धुरवामृदङ्गनकीधीरधुधुकारठान रातेनैनमा
तकलगानकोभजतये। शोककोजनमब्रजओकमेंभयो
हैऊधासांवरेविरहतेबधावरेबजतये २२८ सांचीकहैरा
वरेसोंझांवरैलगैतमाल आवैजेहिकालसुधिसांवरेसुजा
नकी। फूलभारभरीडारजैसेयमजारऊधो कालिन्दीक
छारसजैधारज्योंकृपानकी॥ चपलाचमकलगैलूकलैअ
चूकहिये कोकिलकुहूकवरजोरकोरवानकी। कूकमोरवा
नकीकरेजाटूकटूककरै लागतिहैहूकसुनिधुनिधुरवानकी
२२९ सोहतसुभगबैलबाहनविमलवाय विशदवकाली
शेषहारलपटायो है। सादरसोंलायवरवादरविभूतिअं
गदादुरउमंगधुनिडमरूबजायो है॥ कारीघटागजछाल
धाराजटाहैंविशालदामिनीछटात्रिशूलसुन्दरसुहायो है॥
काटिहैकलेशमोददैहैरीभटूविशेश धरिकैमहेशवेषसाव
नलगायो है २३० सावनसोहावनयालागतभयावनसो
आवनअवधिअबशोचैगजगामिनी। ऐहैंकबहूंधोंबल
वीरह्यांकिनाहिंऊधो कैसेधीरधरैंयेअधीरब्रजकामिनी॥
जहांतहांयोगनकीज्योतिजगैज्वालजैसी यमकीजमाति
सीजनातिजातियामिनी। जारैहैंपपीहरापुकारैंपीउपी
उटेरिघेरिमारैबादरदरेरिमारैदामिनी २३१ सावनके

दिवससुहावनेसलोनेश्यामजीति रतिसमरविराजैश्या
माश्यामसंग। द्विजदेवकीसोंतनुउबटिचहूंघारहो चुंबन
कोचहलचुचातचूनरीकोरंग॥ पीतपटतानेहरषानेलखें
लपटाने उमहिउमहिघनश्यामदामिनीकोढंग। रतिरन
भीजेपैनमैनमदछीजेअरुरसवशहोतऊतनकपसीजेअं
ग२२२॥ सवैया॥ सोइगईपछिरातमैंआजुतहींमनमोहन
आइगयोरी। तौलौंघनेरीघटालखिकै इनमोरनशोरम
चाइदयोरी॥ ऐसीवियोगदयोविधिनासखि सपनेहूनसं
योगभयोरी। कासोंकहाकहियेनंदरामभयोउरसौंगुनो
शोचनयोरी २२३॥ कवित्त॥ सरिताकलोलकरेबनिता
हिंडोलधरेचपलाचमकचहुंओरनभदोंड़ोना। लताल
पटततरुमंगनचलतमरु मुरवारहतहरुनेकुसंगतोड़ो
ना॥ भनतदिवाकरसमुद्रग्राहमड़ोकच्छअच्छतप्रतच्छ
प्रीतिराखतहैथोड़ोना। सावनभयावनअंधेरीरैनिभादों
कान्हरहैगीअकेलीभौनराधेसंगछोड़ोना २२४॥ सवैया॥
सखियांकोउभूंकतेभूलनके डरिलागाहिंप्रीतमकीछति
यां। कोउडोरधरेकरएकत्यांएकते पीकीबचावतिहैंघति
यां॥ कोइगाइमलाररिभाइरही अरुकोउकरेंरसकीब
तियां॥ कबपीरनिवारिहोमोंहियकीपियजाती हैं सावन
कीरतियां २२५ ॥ कवित्त॥ होयरहींहरीहरीव्रजकीसक
लभूमि फूलनकेभारभूमिरहींद्रुमडारीहैं। लहरैंकलिन्द
नन्दनीकीनीकीलसे नभउमड़िघुमड़िरहींघटाधुरवारी
हैं॥ प्यारीमनमोहनजभूलतहिंडोरेजहां सुरभिसमीर
धीरचलेसुखकारी हैं। प्रेमवशभीजताफिरतफेरिवरषामें
घनमेंविहार[illegible]धिकाविहारी हैं २२६॥ कैनिरशंकअं

कलैकैउरजनलाई निरखिनिरखिनैनरूपरसचाखती ।
दीनह्वैकैबोलतीतुरतअंशुवनढारि दोऊकरजोरिकैविरह
विथाभाखती ॥ ल्यावतीपकरिगुरुजनआगेआंगनलों
सन्तनकहतवेगिलाजनदीनांघती॥जोहोंसखीजानतीकि
सावनविदेशह्वैहैपावनपकरिमनभावनकोराखती २२७॥
सवैया ॥ हैंघनघोरघनेघहरातसोमोरसुनेहहरातहियाहैं ।
कौनकरैमनसाधरकोरसभीजबेकीभईभीतभियाहैं॥ का
मकेकाजइलाजयहैबिनकाजकीओरसबैबतियाहैं । पाव
समेंसुखसोइलहैं जेहिकीरतियांछतियांछतियाहैं २२८
कबित्त ॥ हेरवनजेरेसजंरासीलागीहरीभूमिकरीघनघटा
ज्योंप्रलैकीघेरघहरैं । लागैफणीफणकीफुकारसीबयारि
वारबूंदविषबाणसमछातीछेदछहरैं ॥ गावैमोरकरखायों
वरषासमैमेंकाम कालिदासकान्हबिनगोकुलमेंथहरैं ।
महलझरोखनमेंझाँकतहीलागिउठै यमकीसीचाबुक
येयमुनाकीलहरैं २२६ ॥ सवैया ॥ हरीभईभूमिउठ्योघ
नघूमि बररसतभूमिहरक्खतमोरे । तड़प्पतभेकसड़क्क
तसांपखड़क्कतपातपहारकेकोरे ॥ लपक्कतविज्जुलता
लड़जासझमक्कतझींगुरझांझसिझोरे । पक्षीपाछितात
तपीविलखातडरप्पतकामिनिकन्तकेकोरे २३० क्षणही
क्षणदौरैंदुरैंदरशैछबिपुंजकिशोरजमासेकरैं । अतिदीन
विनापियजानजियै विरहीनहियेबरमासेकरैं ॥ अरुदे
खिभईकवहूँथिरह्वैघनकोहरिकीउपमासेकरैं । चहुंघातै
महातड़पैबिजुरी तमतोममेंआजतमाशेकरैं २३१ ॥
कबित्त॥प्रीतमनआयेजायद्वारिकामेंछायेऊधोपातीनपठाये
यहांपावसकीट्टकट्टै । मेघघहरातेजललागे[illegible]हरानेअब

कामशरतानेउरबेधतअचूकहै ॥ झिल्लीकीझमकदूजें बिजुरीकीचमकतीजे मेघकेघमकतेउठततनबूकहै । दुखसुखकासेकहौंप्रीतमनआयेभौन कोकिलाकेकूकतेकरेजाटूकटूकहै २३२ घांघरेकीउमड़िघुमड़िचारुचूनरीकी पाँयनमलूकमखमलवारजोरेकी । भृकुटीविकटछूटींअलकैंकपोलनपैबड़ीबड़ीआंखिनमेंछबिलालडोरेकी ॥ तरिवनतरलजड़ाऊजरबीलीजोर स्वेदकनललितबलित मुखगोरेकी । भूलतनभामिनिकीगावनगुमानभरी सावनमेंश्रीपतिमचावनहिंडोरेकी २३३ ॥

इतिश्रीपावसकवित्तरत्नाकरश्रीवल्लभकुलसेवक परमानन्द वल्द बंगालीलालसुहानेसंग्रहीतसमाप्तम् ॥

मुन्शी नवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेख़ाने में छापागया ॥

जूलाई सन् १८९३ ई० ॥

---

३ जुज़ २ वर्क़